**High Commissioner's remarks at Community Reception**
**Bridgetown 9 October 2025**

नमस्ते, शुभ संध्या,

माननीय लोकसभा अध्यक्ष, श्री मान ओम बिड़ला जी, राज्यसभा के उपसभापति, श्रीमान हरिवंश जी, राज्यों की विधानसभा और राज्य विधान परिषद के माननीय अध्यक्षगण, संसद के विशिष्ट सदस्यगण, राज्यों की विधानसभा के सदस्यगण, लोकसभा और राज्यसभा के महासचिव, वरिष्ठ अधिकारीगण और भारतीय समुदाय के सदस्यगण । वास्तव में, यह मेरा सौभाग्य है कि मैं लोकसभा अध्यक्ष के नेतृत्व वाली प्रतिनिधि मंडल का स्वागत कर रहा हूँ, भारत-बारबाडोस के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद, इस स्तर का पहला दौरा है.

*[Namaste, Shubh Sandhya,*

*Hon'ble Speaker of Lok Sabha, Shri Om Birla, Hon'ble Deputy Chairman of Rajya Sabha, Hon'ble Speakers of States Assembly/ State legislative council, distinguished members of Parliament, Members of Legislative assembly of States, Secretary General of Lok Sabha and Rajya Sabha, Senior Government officials and distinguished members of Indian community. Indeed, it is my honor to welcome Hon'ble Speaker of Lok Sabha' led delegation that is the first ever visit at this level since the establishment of diplomatic relations between India-Barbados.]*

हमारे द्विपक्षीय सौहार्दपूर्ण संबंध पारस्परिक समझ, विश्वास और मजबूत जन-संपर्कों पर आधारित हैं जो उच्च स्तरीय आदान-प्रदान से नए क्षेत्रों में भी प्रगाढ़ और विस्तारित हो रहे हैं।

गत वर्ष २४ नवंबर को भारत और CARRICOM के मध्य हुए शिखर सम्मलेन के दौरान, हमारे प्रधानमंत्री, माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी और माननीया प्रधानमंत्री, मिया अमोर मोटली के मध्य आपसी संवाद से इस साझेदारी और सहयोग को और भी प्रोत्साहन मिला है।

[*Our relations are cordial, built on mutual understanding, trust, and strong people-to-people ties that are further enhanced and expanding in new areas through frequent high-level exchanges. The interaction between our Prime Minister, Hon'ble Shri Narendra Modi and H.E Prime Minister, Mia Amor Motley at the sidelines of CARRICOM further gave impetus to our ongoing partnership and collaboration.]*

मेरी दृष्टि में, 5 डी हमारे कैरिबियाई देशों के साथ रिश्तों की रूप रेखा को परिभाषित करते हैं; Decolonization विउपनिवेशवाद, Diversity-विविधता, Democracy-लोकतंत्र, Development विकास और Diaspora प्रवासियों का भारतीय समुदाय। अटलांटिक पार, हमारे पूर्वजों ने जब बारबाडोस सहित विभिन्न कैरिबियाई द्वीपों पर अपने पहले कदम रखें भारत की आत्मा और संस्कृति को अपने साथ लेकर आएं

[*In my view, 5 Ds define our relationship with the Caribbean countries; named Decolonization, Diversity, Democracy, Development and Diaspora. The Our ancestors carried the spirit of India to the trans-Atlantic shore when put their first steps on the shores of Caribbean islands, including Barbados.]*

भारतीय स्वाभाविक रूप से अपने विविध दृष्टिकोण के लिए प्राचीन काल से जाने जाते रहें हैं. जिसे हम एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्ति के दर्शन में देखते हैं. इसके कारण भारतवंशी जिन देशों में वसते उसी समाज में घुल मिल जाते हैं स्थानीय नियमों और परंपराओं का सम्मान करते हैं और ईमानदारी से सेवा करते हैं, और समृद्धि में योगदान देते हैं, साथ साथ ही, आप हमेशा भारत को अपने दिल के करीब रखते हैं। आप भारत की हर उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं। २८ सितम्बर को आयोजित विकसित भारत रन और अन्य गतिविधियों में आपकी सहभागिता इसी भावना की परिचायक थी.

[*Indians naturally embrace diversity and integrate seamlessly into the societies they join, respecting local rules and traditions. Indians serve their host countries with honesty,*

*contributing to their growth and prosperity, while always keeping India close to their hearts. Bharatvanshi celebrate every joy and achievement of India with great enthusiasm.]*

किसी समय यह कहा जाता था कि क़्वीन विक्टोरिया के साम्राज्य में सूरज कभी नहीं डूबता। अब, हम गर्व से कह सकते हैं कि भारतवंशी जहाँ जहाँ रहते हैं वहां शायद कभी सूर्यास्त हो ही नहीं । विक्टोरिया साम्राज्य को बलपूर्वक स्थापित किया गया था और उसे दमनकारी नीति और बल के दम बनाए रखा गया और उन्होंने अपनी सांस्कृतिक प्रभुत्व को स्थापित करके दुनिया में लोगों को गुलाम बनाया।

*[Once upon a time, it was said that the sun never set on the Victorian empire. Now, we can proudly say that Sun will never set on Indian diaspora. The Victoria empire was established by force and maintained by coercion and imperialistic power, hence subjugated all corners of world by introducing their cultural hegemony.]*

दूसरी तरफ, भारतवंशी अपने अपने देशों में अपने खून-पसीने और रात-दिन एक करके और बिना किसी बल या दबाव के अपने आशियाने को सजाते हैं। Barbadian society ... बेजन समाज में अपनी उद्यमिता के माध्यम से आपने एक अपना स्थान बनाया हैं । साम्राज्यवादी शक्ति के विपरीत, आप किसी अन्य मामलों में दखल दिए बिना वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ अपनी भारतीयता और संस्कृति को संरक्षित रखे हुए हैं। आपकी यह उपलब्धि भारत में लाखों लोगों को प्रेरित करती है और हमारे दिल को गद गद करती है.

*[On the other hand, the empire of Bhartvanshi is nurtured by sweat and burning of midnight oil without any use of force or coercion. You earn respect and position in this society through your hard labor and entrepreneurship. Unlike imperialistic power, you preserve your Indianness and culture without intervening in other affairs with spirit of Vasudhaiva Kutumbkam. Your achievement inspires millions in India as well.]*

समृद्ध सांस्कृतिक विविधता के साथ, जीवन यापन करते हुए प्रवासी भारतीय हमारे दोनों देशों के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्तों को प्रगाढ़ करते रहें हैं, जिससे एक सशक्त पारस्परिक सहयोग और विकास की बुनियाद मजबूत हो रहीं हैं। आइए हमसब साथ मिलकर अपने लोगों की प्रगति और समृद्धि के लिए साथ काम करें। विकिसत भारत के सृजन में आपके साथ की जरूरत है.

कोटिशः धन्यवाद और साधुवाद ।

अब मैं माननीय लोकसभा अध्यक्ष से निवेदन करता हूँ कि वे अपने प्रेरणादायक शब्दों से हमें अनुग्रहित करें।

*[With rich cultural diversity and ongoing economic development, the deep bonds of Diaspora continue to strengthen our social, cultural, and economic ties, laying the groundwork for further cooperation and mutual growth. Let us work together for progress and prosperity of our people.*

*Thanks for kind attention.*

*Now I would like to request Hon'ble Speaker of Lok Sabha to share his inspiring words with us. ]*

***